



NEWSLETTER

शनिवार, 16 सितम्बर 2023 | वॉल्यूम - 63

Interview | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News



कपास एमएसपी से ऊपर बिका, पंजाब के किसान उत्साहित

IMPORT & EXPORT UPDATE



GOLD : 58999
SILVER : 72165
CRUDE OIL : 7544



एक महान वैज्ञानिक द्वारा वर्णित बीटी कपास का इतिहास और उपयोगिता

कृषि आयुक्त के कुलपति और कपास संस्थान के निदेशक के रूप में कार्य करने से पहले डॉ. चारु माई अध्यक्ष पद से सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने एसएबीसी और एग्रोविजन फाउंडेशन के माध्यम से किसानों के उत्थान के लिए अपनी सेवाएं समर्पित कीं। बीटी कॉटन की जानकारी के लिए SIS ने डॉ माई जी से बातचीत की।

आपने बताया की बीटी कॉटन की खेती सर्वप्रथम 1996 USA में की गई। भारत में इसका उत्पादन 2002 में शुरू हुआ शुरुआत में बीटी कॉटन के प्रयोग से कॉटन यील्ड (उत्पादन)में आशाजनक वृद्धि हुई। आंकड़ों के अनुसार इसका उत्पादन 300 केजी प्रति हेक्टर से बढ़कर 550 केजी तक हुआ, तथा इसी कारण इसका चलन अन्य देशों जैसे चायना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राज़ील, भारत, म्यांमार, अर्जेंटीना, पाकिस्तान आदि देशों में भी प्रचुर मात्रा में उत्पादन शुरू किया गया। जबकि तुर्की आदि देशों से इस प्रजाति को महत्त्व नहीं दिया गया और व इसका समावेश नहीं किया गया। पुरे विश्व का 80% बीटी कॉटन उत्पादन भारत, चीन, और अमेरिका में ही होता है।

आगे बताया की नई टेक्नोलॉजी और रीसर्च एंड डेवलपमेंट कमी से नए नए पेस्टिसाइड्स का आभाव रहा। और 10 सालों के बाद बीटी कॉटन पर बॉलवर्म का अटैक होना शुरू हो गया और साथ साथ बाजार में गैरकानूनी बीटी कॉटन सीड भी बिक्री में आ गया, जिसके कारण निराशा आई है।

Herbicide tolerance की उपलब्धता नहीं होने से तथा लेबर कॉस्ट ज्यादा होने से भी इसकी कॉस्ट में काफी वृद्धि हुई है. As Chairman Of Scientific Approval Board को इन्होंने बताया की किसानों को नई टेक्नोलॉजी के तहत जींस ऑफ बैक्टीरिया एंड टोक्सिकेशन इन सीड संबधित राहत मिलनी चाहिए।



डॉ. चारु माई
पूर्व अध्यक्ष

बीटी कपास की शुरुआत कृषि में महत्वपूर्ण रही है क्योंकि यह कई लाभ प्रदान करती है:

कीट प्रतिरोध : बीटी कपास के पौधे बीटी विष का उत्पादन करते हैं, जो विशिष्ट कीटों के लिए विषैला होता है। जब ये कीड़े बीटी कपास खाते हैं, तो वे विष को निगल लेते हैं, जो उनके पाचन तंत्र को बाधित करता है और अंततः उन्हें मार देता है। इससे रासायनिक कीटनाशकों की आवश्यकता कम हो जाती है और फसल की पैदावार अधिक हो सकती है।

रासायनिक कीटनाशकों का कम उपयोग : बीटी कपास उगाने वाले किसान आमतौर पर अपनी फसलों को कीड़ों से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए कम रासायनिक कीटनाशकों का उपयोग करते हैं, जो पर्यावरण के लिए अधिक अनुकूल हो सकता है और कृषि श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य जोखिम को कम कर सकता है।

पैदावार में वृद्धि : कीटों से होने वाले नुकसान को कम करके, बीटी कपास के पौधे अधिक पैदावार और बेहतर गुणवत्ता वाले कपास फाइबर का उत्पादन कर सकते हैं।

लागत बचत : जबकि बीटी कपास के बीज शुरू में पारंपरिक कपास के बीजों की तुलना में अधिक महंगे हो सकते हैं, कीटनाशकों के उपयोग में कमी और पैदावार में संभावित वृद्धि से किसानों के लिए लागत बचत हो सकती है।

काँटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

SMART INFO SERVICES
CALL : 91119 77771 - 5
WEEKLY CHART 16.09.2023

ICE COTTON			
MONTH	08.09.23	15.09.23	WEEKLY CHANGE
DEC	85.91	86.44	0.53
MARCH	86.09	87.36	1.27
MAY	86.28	87.84	1.56
MCX (COTTON)			
NOV	60500	61000	500
JAN	61000	61360	360
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1582	1604	22
NCDEX (COCUD KHAL)			
SEP	2739	2870	131
DEC	2614	2709	95
JAN	2621	2724	103
SMART INFO SERVICE		CALL : 91119 77775	
CURRENCY (\$)			
INDIAN (Rupee)	82.95	83.19	0.24
PAK (Pakistani Rupee)	306.771	296.908	-9.863
CNY (Chinese yuan)	7.34299	7.27497	-0.06802
BRAZIL (Real)	4.98659	4.86600	-0.12059
AUSTRALIAN Dollar	1.56666	1.55520	-0.01146
MALAYSIAN RINGGITS	4.67696	4.68399	0.00703
COTLOOK "A" INDEX	95.90	98.50	2.6
BRAZIL COTTON INDEX	82.85	81.84	-1.01
USDA SPOT RATE	79.37	80.39	1.02
MCX SPOT RATE	61260	61560	300
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	18800	19000	200
GOLD (\$)	1942.60	1945.45	2.85
SILVER (\$)	23.200	23.308	0.108
CRUDE (\$)	87.23	91.20	3.97

सितम्बर माह के तीसरे सप्ताह में इंटरनेशनल काँटन मार्केट में तेजी देखने को मिली |

इंटरनेशनल काँटन एक्सचेंज के दिसंबर 23, मार्च 24 और मई 24 माह के लिए काँटन के भाव क्रमशः 0.53 , 1.27 और 1.56 सेंट तक बढ़े।

भारतीय बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर काँटन के दाम में भी गिरावट देखी गई। नवंबर और जनवरी माह के सौदो के भाव में 500 और 360 रूपए प्रति कैंडी बढ़े

एनसीडीइएक्स पर भी कपास के भाव 22 रूपए प्रति 20 किलो तक बढ़े, वही खल के भाव में क्रमशः सितम्बर, दिसंबर और जनवरी 24 माह में 131, 95 और 103 रूपए प्रति किंटल की बढ़त हुई।

अन्य देशों के एक्सचेंज मार्केट पर नजर करें तो काँटलुक "ए" इंडेक्स पर 2.60 अंक की बढ़त रही, यूएसडीए स्पॉट रेट पर 1.02 सेंट बढ़ा और एमसीएक्स स्पॉट रेट पर 300 अंक तक बढ़े, वही ब्राजील काँटन इंडेक्स पर 1.01 अंक की गिरावट दर्ज की गई है। पाकिस्तान के केसीए स्पॉट रेट पर सप्ताह अंत तक 200 रूपए तक भाव बढ़े।

शेयर मार्केट निवेशकों के लिए मिला-जुला रहा यह सप्ताह

11 सितंबर से 16 सितंबर 2023 के मध्य प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की शेयर वेल्यू पर आधारित खबर

कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	394.65	403.20	365.45	-1.66%
अरविद लिमिटेड	171.15	174.10	155	1.15%
वेलसपन इंडिया	123.4	127	112.45	0.08%
नितिन स्पिनर्स	293.35	318.9	281.15	-3.84%
रेमण्ड	2005.3	2115.1	1721.65	-3.84%
अक्षिता काँटन	27.06	27.90	26.5	-0.15%

शेयर मार्केट में टेक्सटाइल सेगमेंट के लिए यह सप्ताह उतार-चढ़ाव रहा। इस बिच कुछ कंपनीज के शेयर का मार्केट बढ़ा जबकि कुछ मार्केट कैप पिछले सप्ताह की तुलना में निचे गिर गया। आइए जानते हैं बीएसेई के मंच पर प्रमुख कंपनी की कैसे रही परफॉर्मेंस।



VIDARBHA OIL MILL ASSOCIATION



Oil Millers
Conclave - 2023

📅 October 12, 2023

📍 The Grand Mehfil
Amravati (Maharashtra)

🕒 10:00 AM - 4:30 PM

📄 Rs. 1500 /-

Scan code for Registration :



Payment at UPI Id : 9422843521@ybl or Mobile Number : 9422843521

Oil millers, seed brokers, cake brokers,
Oil brokers, Ginners, Trader- Buyers...

Agenda : Challenges faced by oil
mill Industry



Media Partner - Smart Info Services



अमेरिका के प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों से आपूर्ति को लेकर कुछ चिंताओं के कारण कपास में बढ़त हुई।

कल कॉटन कैंडी में 0.13% की मामूली वृद्धि देखी गई, जो 60,980 पर बंद हुई, जो प्रमुख अमेरिकी उत्पादक क्षेत्रों से आपूर्ति पर चिंताओं से प्रेरित थी। 2023/24 यू.एस. कॉटन आउटलुक एक मिश्रित तस्वीर दिखाता है, जिसमें शुरुआती स्टॉक अधिक है लेकिन उत्पादन, निर्यात और अंतिम स्टॉक कम है। आश्चर्यजनक रूप से, 31 जुलाई, 2023 के लिए रिपोर्ट किए गए बड़े गोदाम स्टॉक के कारण 2022/23 के लिए शुरुआती स्टॉक में वृद्धि हुई। हालांकि, 2023/24 के अमेरिकी उत्पादन पूर्वानुमान में इस महीने 860,000 गांठ की गिरावट आई है, मुख्य रूप से दक्षिणपूर्व और दक्षिणपश्चिम क्षेत्रों में। जबकि खपत स्थिर रही, निर्यात में 200,000 गांठ की कमी आई और अंतिम स्टॉक में 100,000 गांठ की गिरावट आई।

2023/24 में अपलैंड कपास की सीज़न-औसत कीमत 80 सेंट प्रति पाउंड होने का अनुमान है, जो पिछले महीने से 1 सेंट अधिक है। वैश्विक मोर्चे पर, 2023/24 विश्व कपास अनुमान पिछले महीने के आंकड़ों की तुलना में कम शुरुआती स्टॉक, उत्पादन, खपत, व्यापार और अंतिम स्टॉक को दर्शाते हैं। भारत में, कपास की खेती को चुनौतियों का सामना करना पड़ा और बुआई में 3.65 लाख हेक्टेयर की कमी आई, जिसका मुख्य कारण गुजरात में खराब मानसून की स्थिति थी। प्रमुख मिलों के बंद होने और पुरानी कपास फसलों के कम स्टॉक स्तर ने भी स्थानीय आपूर्ति में कमी लाने में योगदान दिया। उत्तर और दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में कपास की नई फसल की आवक शुरू हो गई है और कीमतें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से ऊपर चल रही हैं। मांग मजबूत होने के कारण 15 सितंबर के बाद शुरुआती आवक, लगभग 3,000 गांठ प्रतिदिन बढ़ने की उम्मीद है। प्रतिकूल मौसमी परिस्थितियों के कारण तेलंगाना में कपास की खेती में थोड़ी कमी देखी गई। नवंबर के दूसरे या तीसरे सप्ताह में राज्य में कपास की कटाई में तेजी आने की उम्मीद है। केंद्र सरकार के 2023-24 में कपास के लिए बुआई पूर्व मूल्य पूर्वानुमान में सामान्य वर्षा और फसल क्षेत्र में विस्तार का अनुमान लगाया गया है। राजकोट हाजिर बाजार में कीमतें -0.13% की मामूली गिरावट के साथ 29,387.25 रुपये पर बंद हुई।

तकनीकी दृष्टिकोण से, बाजार में शॉर्ट कवरींग का अनुभव हुआ, जिसमें ओपन इंटररेस्ट -1.03% गिरकर 96 कॉन्ट्रैक्ट पर आ गया। कीमतें 80 रुपये तक बढ़ीं। कॉटन कैंडी के लिए प्रमुख समर्थन स्तर 60,820 और 60,660 पर हैं, जबकि प्रतिरोध 61,120 पर होने की उम्मीद है, कीमतों के 61,260 तक पहुंचने की संभावना है।

कपास एमएसपी से ऊपर बिका पंजाब के किसान उत्साहित



6,620 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी के मुकाबले 7,600 रुपये मिल रहे हैं

कपास किसान उत्साहित हैं क्योंकि निजी खिलाड़ी उन्नत बोई गई फसल को एमएसपी से अधिक कीमत पर खरीद रहे हैं।

निजी व्यापारी 6,620 रुपये के एमएसपी के मुकाबले 7,400 रुपये से 7,600 रुपये प्रति क्विंटल के बीच भुगतान कर रहे हैं।

दक्षिणी मालवा में बठिंडा, फाजिल्का, मनसा और मुक्तसर प्रमुख कपास उत्पादक जिले हैं। हालांकि, इस साल कपास की खेती का रकबा पिछले साल के 2.48 लाख हेक्टेयर की तुलना में काफी कम होकर 1.75 लाख हेक्टेयर रह गया है।

विनसम टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के संजीव दत्त ने कहा, "वर्तमान में, कपास 7,400 रुपये से 7,600 रुपये प्रति क्विंटल के बीच बिक रहा है। पिछले साल, कपास शुरू में 8,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बेचा गया था, लेकिन कुछ दिनों के बाद दरें एमएसपी से नीचे गिर गईं।

बठिंडा में कमीशन एजेंट सचिन गर्ग ने कहा, "इस साल कपास की खेती का रकबा कम हो गया है। अतः उत्पादन कम होगा। नतीजा यह है कि यह एमएसपी से ऊपर बिक रहा है। इसके अलावा, गुलाबी बॉलवर्म अब तक फसल को प्रभावित करने में विफल रहा है। आने वाले दिनों में कीमत 10,000 रुपये तक पहुंच सकती है।"

बीकेयू नेता जसवीर सिंह ने कहा, "निजी खरीदार एमएसपी से ऊपर खरीदारी कर रहे हैं। अभी टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी।"

TOP 5

NEWS OF THE WEEK

- पंजाब में कपास की पहली कटाई पर एमएसपी से अधिक 7,400 रुपये प्रति क्विंटल का भाव मिलता है**
 कपास उत्पादकों के लिए खुशी की बात है क्योंकि फसल की पहली कटाई से उन्हें अब तक पंजाब के कपास बेल्ट में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से अधिक लाभ मिल रहा है। हालाँकि, सभी खरीदार निजी खिलाड़ी हैं क्योंकि कॉटन कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) ने अभी तक मंडियों से कुछ भी नहीं खरीदा है।
- उच्च आयात शुल्क बांग्लादेश निर्यात विविधीकरण में बाधा: पीआरआई**
 नीति अनुसंधान संस्थान (पीआरआई) के अध्यक्ष, अर्थशास्त्री जैदी सत्तार के अनुसार, बांग्लादेश में आयात पर उच्च शुल्क निर्यात की तुलना में घरेलू बाजार-उन्मुख उद्योगों के लिए सापेक्ष लाभप्रदता बढ़ा रहा है, निर्यात-उन्मुख उत्पादन को हतोत्साहित कर रहा है और निर्यात विविधीकरण में एक प्रमुख बाधा के रूप में कार्य कर रहा है।
- अगस्त में अब तक का सर्वाधिक ई-वे बिल जेनरेशन दर्ज किया गया, जो त्योहारी मांग में बढ़ोतरी और जीएसटी का संकेत है।**
 जीएसटीएन (अप्रत्यक्ष कर प्रणाली की आईटी रीढ़) के आंकड़ों से पता चलता है कि अगस्त में ई-वे बिल जेनरेशन 9.34 करोड़ के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। पिछला उच्चतम स्तर इस साल मार्च में 9.09 करोड़ था।
- चीनी कपड़ा उद्योग का मुनाफा जनवरी-जुलाई 2023 में सालाना 20.3% गिर गया**
 चीन में निर्दिष्ट आकार से ऊपर के औद्योगिक उद्यमों का कुल मुनाफा इस साल जनवरी और जुलाई के बीच 3,943.98 बिलियन युआन तक पहुंच गया, जो साल-दर-साल 15.5 प्रतिशत कम है और जनवरी और जून की तुलना में 1.3 प्रतिशत अंक कम है। आधिकारिक आंकड़े।
- पाकिस्तान: अगस्त में कपड़ा निर्यात 6 प्रतिशत गिरकर 1.48 अरब डॉलर रह गया**
 कपड़ा निर्यात, इसकी विदेशी मुद्रा आय का मुख्य आधार, अगस्त में साल-दर-साल 6 प्रतिशत गिरकर 1.48 बिलियन डॉलर हो गया, क्योंकि उच्च ऊर्जा लागत और तरलता की कमी ने क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता को नुकसान पहुंचाया, उद्योग के आंकड़ों ने शनिवार को दिखाया।

कॉटन फिजिकल मार्केट सितंबर माह के दूसरे सप्ताह में कॉटन के भाव में तेज़ी-मंदी का माहौल रहा।

यह सप्ताह कॉटन फिजिकल मार्केट के लिए तेज़ी-मंदी वाला रहा वाला रहा। नार्थ झोन और सेंट्रल झोन में बढ़त दिखी वहीं साउथ झोन में गिरावट देखी गई।

नार्थ झोन में पंजाब, हरयाणा और अपर राजस्थान में 100 से 120 रुपए प्रति मंड की तेज़ी देखी गई।

वही सेंट्रल झोन के मध्य प्रदेश राज्य में 700 रुपए प्रति कैंडी की बढ़त देखने को मिली, महाराष्ट्र में सबसे कम 200 रुपए मार्केट गिरा, गुजरात में दिखी स्थिरता।

साउथ झोन मार्केट में गिरावट जारी रही। सबसे ज्यादा आंध्र प्रदेश 500 रुपए प्रति कैंडी तक की गिरावट देखी जबकि ओडिशा में 200 रुपए रुपये की गिरावट हुई। कर्नाटक और तेलंगाना स्थिर रहा।

STATE		STAPLE LENGTH		11.09.23		16.09.23		CHANGE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH			
NORTH ZONE								
PUNJAB (new)	28.5	6,280	6,300	6,390	6,420			120
HARYANA	27.5/28	6,300	6,300	6,400	6,400			100
UPER RAJASTHAN	28	6,280	6,300	6,400	6,400			100
CENTRAL ZONE								
GUJARAT	29	61,500	61,600	61,400	61,600			0
MADHYA PRADESH	29	60,600	61,000	61,200	61,700			700
MAHARASHTRA	29 vid.	61,000	61,500	61,200	61,700			200
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775								
SOUTH ZONE								
ODISHA	29.5	62,600	62,700	62,400	62,500			-200
KARNATAKA	29.5/30 mm	60,500	61,000	60,500	61,000			0
ANDHRA PRADESH	29.5/30 mm	61,500	62,000	61,000	61,500			-500
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	61,200	62,000	61,200	62,000			0
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.								
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy								



NEWSLETTER

Saturday, 16 September 2023 | Volume - 63

Interview | Cotton Weekly Physical chart | Share Market Update | Important News

TEXTILE STOCK MARKET UPDATE

Cotton sells above MSP, Punjab farmers upbeat

IMPORT & EXPORT UPDATE

GOLD : 58999
SILVER : 72165
CRUDE OIL : 7544



Dr. Charu Mayee
Former Chairman

History & Utility of BT cotton as narated by A great Scientists.

Dr. Charu Mayee retired as Chairman before serving as Agri Commissioner Vice Chancellor and Director of cotton Institute. After retirement he devoted his services for uplifting of Farmers through SABC and Agrovision Foundation. - SIS discussed to Dr. Mayee ji for information about BT cotton.

He told that BT cotton was first cultivated in USA in 1996. Its production in India started in 2002. Initially, the use of BT cotton led to a promising increase in cotton yield. According to statistics, its production increased from 300 kg per hectare to 550 kg, and due to this, its production was started in abundance in other countries like China, Australia, Brazil, India, Myanmar, Argentina, Pakistan etc. Whereas countries like Turkey did not give importance to this species. And that was not included. 80% of the total world's BT cotton production takes place in India, China, and America only.

Further, there was a shortage of new pesticides due to lack of new technology and research and development. And after 10 years, bollworm attack on BT cotton started. And at the same time, illegal BT cotton seeds also came into sale in the market, which has caused disappointment.

Due to non-availability of herbicide tolerance and high labor cost, its cost has increased significantly. As A Chairman of Scientific Approval Board, he told that farmers should get relief related to bacteria and toxicity in seeds under the new technology.

The introduction of Bt cotton has been important in agriculture as it offers several benefits:

Insect resistance: Bt cotton plants produce Bt toxin, which is toxic to specific insects. When these insects eat Bt cotton, they ingest the toxin, which disrupts their digestive system and eventually kills them. This reduces the need for chemical pesticides and can increase crop yields.

Less use of chemical pesticides: Farmers growing Bt cotton typically use less chemical pesticides to protect their crops from insect damage, which may be more environmentally friendly and reduce health risks for farm workers. Can reduce.

Increase in yields: By reducing damage caused by pests, Bt cotton plants can produce higher yields and better quality cotton fiber.

Cost savings: While Bt cotton seeds may initially be more expensive than conventional cotton seeds, the reduction in pesticide use and potential increase in yields can result in cost savings for farmers.

A look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77771 - 5

WEEKLY CHART 16.09.2023

ICE COTTON

MONTH	08.09.23	15.09.23	WEEKLY CHANGE
DEC	85.91	86.44	0.53
MARCH	86.09	87.36	1.27
MAY	86.28	87.84	1.56

MCX (COTTON)

MONTH	08.09.23	15.09.23	WEEKLY CHANGE
NOV	60500	61000	500
JAN	61000	61360	360

NCDEX (KAPAS)

MONTH	08.09.23	15.09.23	WEEKLY CHANGE
APRIL	1582	1604	22

NCDEX (COCUD KHAL)

MONTH	08.09.23	15.09.23	WEEKLY CHANGE
SEP	2739	2870	131
DEC	2614	2709	95
JAN	2621	2724	103

SMART INFO SERVICE

CALL : 91119 77775

CURRENCY (\$)

CURRENCY	08.09.23	15.09.23	WEEKLY CHANGE
INDIAN (Rupee)	82.95	83.19	0.24
PAK (Pakistani Rupee)	306.771	296.908	-9.863
CNY (Chinese yuan)	7.34299	7.27497	-0.06802
BRAZIL (Real)	4.98659	4.86600	-0.12059
AUSTRALIAN Dollar	1.56666	1.55520	-0.01146
MALAYSIAN RINGGITS	4.67696	4.68399	0.00703

INDEX	08.09.23	15.09.23	WEEKLY CHANGE
COTLOOK "A" INDEX	95.90	98.50	2.6
BRAZIL COTTON INDEX	82.85	81.84	-1.01
USDA SPOT RATE	79.37	80.39	1.02
MCX SPOT RATE	61260	61560	300
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	18800	19000	200

CURRENCY	08.09.23	15.09.23	WEEKLY CHANGE
GOLD (\$)	1942.60	1945.45	2.85
SILVER (\$)	23.200	23.308	0.108
CRUDE (\$)	87.23	91.20	3.97

There was a boom in the international cotton market in the third week of September.

Cotton prices for the months of December 23, March 24 and May 24 on the International Cotton Exchange increased by 0.53, 1.27 and 1.56 cents respectively.

A decline was also seen in the prices of cotton on Multi Commodity Exchange (MCX) in the Indian market. The deal prices for the months of November and January increased by Rs 500 and Rs 360 per candy.

On NCDEX too, cotton prices increased by Rs 22 per 20 kg, while the price of Khal increased by Rs 131, 95 and Rs 103 per quintal in the 24 months of September, December and January respectively.

If we look at the exchange market of other countries, there was an increase of 2.60 points on the Cotton Look "A" index, an increase of 1.02 cents on the USDA spot rate and an increase of 300 points on the MCX spot rate, while a decline of 1.01 points was recorded on the Brazilian Cotton Index. Pakistan's KCA spot rate increased by Rs 200 by the end of the week.

This week was a mixed one for stock market investors

News based on share value of major textile companies between 11 September to 16 September 2023

COMPANY	CURRENT PRICE	HIGH PRICE	LOW PRICE	MOVEMENT
VARDHMAN TEXTILE LIMITED	394.65	403.20	365.45	-1.66%
ARVIND LIMITED	171.15	174.10	155	1.15%
WELSPUN INDIA	123.4	127	112.45	0.08%
NITIN SPINNERS	293.35	318.9	281.15	-3.84%
RAYMOND	2005.3	2115.1	1721.65	-3.84%
AXITA COTTON	27.06	27.90	26.5	-0.15%

This week was a volatile week for the textile segment in the stock market. Meanwhile, the share market of some companies increased while the market cap of some companies fell compared to the previous week. Let us know how the major companies performed on the BSE platform.



VIDARBHA OIL MILL ASSOCIATION



October 12, 2023

The Grand Mehfil
Amravati (Maharashtra)

10:00 AM - 4:30 PM

Rs. 1500 /-

Scan code for Registration :



Payment at UPI Id : 9422843521@ybl or Mobile Number : 9422843521

Oil millers, seed brokers, cake brokers,
Oil brokers, Ginners, Trader- Buyers...

Agenda : Challenges faced by oil
mill Industry



Media Partner - Smart Info Services



Cotton gains on some concerns over supply from key U.S. growing regions.

Cotton candy saw a marginal uptick of 0.13% yesterday, closing at 60,980, driven by concerns over supply from key U.S. growing regions. The 2023/24 U.S. cotton outlook reveals a mixed picture, with higher beginning stocks but lower production, exports, and ending stocks. Surprisingly, large warehouse stocks reported for July 31, 2023, led to an increase in beginning stocks for 2022/23. However, the 2023/24 U.S. production forecast dipped by 860,000 bales this month, mainly in the Southeast and Southwest regions. While consumption remained steady, exports decreased by 200,000 bales, and ending stocks dropped by 100,000 bales.

The season-average price for upland cotton in 2023/24 is projected at 80 cents per pound, up 1 cent from the previous month. On the global front, the 2023/24 world cotton projections reflect lower beginning stocks, production, consumption, trade, and ending stocks compared to the previous month's data. In India, cotton cultivation faced challenges with a 3.65 lakh hectare reduction in sowing, primarily due to poor monsoon conditions in Gujarat. The closure of major mills and low stock levels of old cotton crops also contributed to tight local supplies. The new cotton crop has begun arriving in parts of North and South India, with prices hovering above the minimum support price (MSP). Early arrivals, around 3,000 bales daily, are expected to pick up post-September 15 as demand strengthens. Telangana witnessed a slight decrease in cotton cultivation due to unfavourable seasonal conditions. Cotton picking is set to gain momentum in the state towards the second or third week of November. The central government's pre-sowing price forecast for cotton in 2023-24 anticipates normal rainfall and an expansion in crop area. In the Rajkot spot market, prices ended at 29,387.25 Rupees, marking a slight decline of -0.13%.

From a technical perspective, the market experienced short covering, with open interest dropping by -1.03% to 96 contracts. Prices rose by 80 rupees. Key support levels for Cotton candy are at 60,820 and 60,660, while resistance is expected at 61,120, with the potential for prices to test 61,260.



Cotton sells above MSP Punjab farmers upbeat

Getting Rs 7,600 against MSP of Rs 6,620/qt

Cotton farmers are upbeat as private players are purchasing the advanced sown crop at a higher price than the MSP.

The private traders are paying between Rs 7,400 to Rs 7,600 per quintal against the MSP of Rs 6,620.

In southern malwa, Bathinda, Fazilka, Mansa and Muktsar are the major cotton producing districts. However, the area under cotton cultivation has reduced drastically this year to 1.75 lakh hectares as compared to 2.48 lakh hectares last year.

Sanjiv Dutt of Winsome Textile Industries Limited said, "At present, cotton is selling between Rs 7,400 and Rs 7,600 per quintal. Last year, cotton was initially sold for Rs 8,000 per quintal but rates fell down below the MSP after a few days."

Sachin Garg, who is a commission agent in Bathinda, said, "This year, area under the cotton cultivation has reduced. Thus, produce will be less. As a result, it is selling above the MSP. Moreover, pink bollworm has failed to affect the crop so far. In the coming days, the price can touch Rs 10,000."

BKU leader Jasvir Singh said, "Private buyers are purchasing above the MSP. It is too early to comment."

TOP 5

NEWS OF THE WEEK

On first harvest of cotton in Punjab, price of Rs 7,400 per quintal is higher than MSP.

There is joy for cotton growers as from the first harvest of the crop they are getting more than the Minimum Support Price (MSP) in the cotton belt of Punjab so far. However, all the buyers are private players as the Cotton Corporation of India (CCI) has not yet purchased anything from the mandis.

High import duties hindering Bangladesh export diversification: PRI

According to economist Zaidi Sattar, president of the Policy Research Institute (PRI), high duties on imports in Bangladesh are increasing the relative profitability for domestic market-oriented industries compared to exports, discouraging export-oriented production and export diversification. Is acting as a major hindrance.

Highest ever e-way bill generation was recorded in August, indicating increase in festive demand and GST.

Data from GSTN (the IT backbone of the indirect tax system) shows that e-way bill generation reached an all-time high of 9.34 crore in August. The previous high was Rs 9.09 crore in March this year.

Chinese textile industry profits fell 20.3% year-on-year in January-July 2023

The total profit of industrial enterprises above designated size in China reached 3,943.98 billion yuan between January and July this year, down 15.5 percent year-on-year and 1.3 percentage points lower than January and June. Official statistics.

Pakistan: Textile exports fell 6 percent to \$1.48 billion in August.

Textile exports, the mainstay of its foreign exchange earnings, fell 6 percent year-on-year in August to \$1.48 billion, as higher energy costs and liquidity shortages hurt the sector's competitiveness, industry data showed on Saturday.

Cotton Physical Market: In the second week of September, there was a boom-bust environment in the price of cotton.

This week was a bullish one for the cotton physical market. An increase was seen in North Zone and Central Zone while a decline was seen in South Zone.

In the North Zone, a rise of Rs 100 to Rs 120 per maund was seen in Punjab, Haryana and Upper Rajasthan.

In the Central Zone state of Madhya Pradesh, an increase of Rs 700 per candy was seen, in Maharashtra the market fell by Rs 200, and in Gujarat there was stability.

The decline in the South Zone market continued. Andhra Pradesh saw the highest fall of up to Rs 500 per candy while Odisha saw a fall of Rs 200. Karnataka and Telangana remained stable.

STATE		STAPLE LENGTH	11.09.23		16.09.23		CHANGE
			LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE							
PUNJAB (new)		28.5	6,280	6,300	6,390	6,420	120
HARYANA		27.5/28	6,300	6,300	6,400	6,400	100
UPPER RAJASTHAN		28	6,280	6,300	6,400	6,400	100
CENTRAL ZONE							
GUJARAT		29	61,500	61,600	61,400	61,600	0
MADHYA PRADESH		29	60,600	61,000	61,200	61,700	700
MAHARASHTRA		29 vid.	61,000	61,500	61,200	61,700	200
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775							
SOUTH ZONE							
ODISHA		29.5	62,600	62,700	62,400	62,500	-200
KARNATAKA		29.5/30 mm	60,500	61,000	60,500	61,000	0
ANDHRA PRADESH		29.5/30 mm	61,500	62,000	61,000	61,500	-500
TELANGANA		29.5/30 mm 78-80 RD	61,200	62,000	61,200	62,000	0
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.							
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy							